राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 27 जुलाई • 2024

शोभाकारी पौधों के प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

सीएसए में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेते कृषक व वैज्ञानिक।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. वीके त्रिपाठी द्वारा प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ. शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। डॉ. विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ. सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष ऊषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की सराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 29 कानपुर, शनिवार 27 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

प्रशिक्षण के समापन पर पौधों के रखरखाव प्रबंधन विषय पर दी जानकारी

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन

के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. (डॉ) वी के त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। डॉ विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की शराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

डालर $ 1 रुपया ₹ 86.10

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदैव सच के साथ..

समाज का साथी

a.sathi@gmail.com

(वर्ष-10 अंक-26)

पृष्ठ -4 मूल्य : 2.00 रु.

शनिवार 27 जुलाई-2024

कानपुर नगर से प्रकाशित

आरटीओ दफ्तर में छापा मारा। धराबिदा करके 50 से ज्यादा लोगों डीसीपी सेंट्रल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दलाली के

प्रशिक्षण के समापन पर पौधों के रख रखाव प्रबंधन विषय पर दी जानकारी

समाज का साथी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. (डॉ) वी के त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। डॉ विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की शराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

आकाश एजूके

अंक-146 कानपुर, शनिवार 27 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

प्रशिक्षण के समापन पर पौधों के रख-रखाव प्रबंधन विषय पर दी जानकारी

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रख-रखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. (डॉ) वी के त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई डॉ विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की शराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

आया सावन झूम के...अक्सर ये
बोल आपकी जुबां पर भी आए
होंगे। जी हां, सावन आ गया है और
कभी पूर्वांचल में खास रहे लोकगीत
कजरी की धुन अब कंपू में भी घरों
तक सुनाई पड़ती है। पश्चिम से
आए घेवर की मिठास दुकान से
घरों-गांवों तक पहुंच गई है। कोहरी
(गेहूं-चना उबालने के बाद घी में
तलने के बाद बना विशेष खाद्य) की
ओर शहरी भी लौट रहे हैं। पूर्वांचल
में इसे घुघरी भी कहते हैं। चारों
ओर हरियाली
झूलों में बहा
लोकगीत की
वली है। कहं
में फन बिखे
आनलाइन
छटा का स्व
अवस्थी की

घुनिकता
घुनिकता की
किसी को इ
अब धीरे-ध
इसे शहर के
कुल ने सहे
ाए हैं।

कुल ● जागह

तर भारत में ख्याति पाता जा रहा
। गुरुकुल के संचालक प्रो. अभय
वेदी कहते हैं, दिन-प्रतिदिन कजरी
प्रति आकर्षण फिर बढ़ रहा है।
ां के कलाकार पूर्वी उत्तर प्रदेश,
ेलखंड, बिहार, मुंबई तक जा रहे
तमाम महाविद्यालयों में कजरी
यन की विधा पर काम शुरू हुआ
कजरी से संबंधित यह पहला
कुल है। उन्हें कसक भी है। बोले,
खनऊ, वाराणसी, प्रयागराज को
स्कृतिक लाभ मिला पर कानपुर
छड़ गया। इसीलिए उन्होंने कानपुर
चुना। अगले माह भारत के 22
लाकार यहां जुटेंगे। इनमें ग्रुप शो

Danik jagran 27/07/24

शख्सियत

कृषि संस्थानों के विद्यार्थियों का चहेता विज्ञानी

23

पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं सीएसए के विज्ञानी डा. राजेन्द्र कुमार यादव अपने सेवाकाल की अवधि में

डा. राजेन्द्र कुमार यादव (बाएं) की पुस्तक का लोकार्पण करते पूर्व राज्यपाल राम नाइक ● हक्वं

देश के कृषि शिक्षा संस्थानों में कृषि विज्ञानी बनने का सपना देख रहे युवाओं से मिलें तो उनमें से हरेक दूसरे युवा के पास चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डा. राजेंद्र कुमार यादव की कोई पुस्तक जरूर मिल जाएगी। युवाओं के चहेत कृषि विज्ञानी और लेखक के तौर पर मशहूर हो चुके डा. यादव को इस साल उत्तर प्रदेश सरकार की कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चयनित किया है। उनकी उपलब्धियों में गेंहू व जौ की प्रजातियों का अनुसंधान कार्य भी शामिल है लेकिन कृषि विज्ञानियों में उनकी सर्वाधिक प्रसिद्धि उनके कृषि विषय लेखन से है। अब तक कृषि विज्ञान संबंधी 40 पुस्तकों और 45 बुक चैप्टर का लेखन करने वाले डा. यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद हुए पाठ्यक्रम के अनुरूप भी पुस्तकों को तैयार कर विद्यार्थियों की अध्ययन मुश्किल आसान कर दी है।

उनके लेब्रोरेटरी मैनुअल और प्रैक्टिकल मैनुअल तो बीएससी, एमएससी के विद्यार्थियों के लिए संविधान सरीखे हैं जिनके बगैर प्रयोगशाला में काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। उनकी लिखी पुस्तकें आइसीएआर पंचम डीन्स कमेटी से संस्तुत पाठ्यक्रम तथा आइसीएआर बीएसएमए पाठ्यक्रम के अनुरूप होने के कारण बीएससी (कृषि), एमएससी (कृषि), जेआरएफ, एसएआरएफ नेट, एआरएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शक बन चुकी हैं।

बुंदेलखंड के झांसी स्थित पूंछ कस्बे में जन्मे डा. यादव के पिता का नाम मेहरबान सिंह है। खेती-किसानी करने वाले पिता की अंगुली पकड़कर ही उन्होंने फसलों से पहला परिचय पाया। शुरुआती शिक्षा बांदा से प्राप्त करने के बाद वह कृषि स्नातक की पढ़ाई करने के लिए कानपुर आ गए। 1988 में कृषि स्नातक और 1990 में परास्नातक कृषि की उपाधि प्राप्त की। दो साल बाद 1992 में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग में सहायक आचार्य की नौकरी शुरू की। यहीं पर उन्हें सह-आचार्य और आचार्य पद पर प्रोन्नति भी मिली। सेवाकाल की अवधि में आपको 23 पुरस्कार प्राप्त हुए। पुस्तक लेखन के लिए डा. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार-आइसीएआर वर्ष 2013 में प्रदान किया गया। कृषि शोध क्षेत्र में भी इन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया और गेंहू की प्रजाति के-1317 और के-1616 तथा जौ की प्रजाति के-1055 के अनुसंधान में योगदान किया। यह प्रजातियां प्रतिकूल परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली तथा किसानों के लिये अत्यन्त लाभकारी है। इन दिनों वह विश्वविद्यालय में निदेशक प्रसार के तौर पर कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों के लिए उपयोगी बनाने में जुटे हैं लेकिन उनको सबसे बड़ी पहचान कृषि संस्थानों के छात्र-छात्राओं और युवा विज्ञानियों से मिली जो उन्हें अपना सबसे चहेता कृषि विज्ञानी मानते हैं जो क्लास रूम से बाहर भी उनकी अंगुली पकड़कर चलता है और सपना साकार करने में सहायक है।

● प्रस्तुति : अखिलेश तिवारी

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

कैंसर के मामले बढ़ रहे, मगर जरूरी दवाओं... 12

कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 283
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

शनिवार | 27 जुलाई, 2024

पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी, कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. वी के त्रिपाठी द्वारा प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी, शकर्स एवं लेयरिंग द्वारा पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। विभाग के शिक्षक सहायक डॉ. शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई।डॉ. विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ. सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में से जानकारी उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की सराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी मौजूद रहे।

रहस्य सन्देश

कानपुर/ शाहजहांपुर/ उन्नाव

दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर शोभा कारी पौधों के रखरखाव एवं प्रबंधन विषय पर दी गई जानकारी

रहस्य संदेश ब्यूरो

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी, कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. (डॉ) वी के त्रिपाठी द्वारा प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज श्री धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। डॉ विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव श्रीमती राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की शराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 27/07/2024

शोभाकारी पौधों के रखरखाव की दी जानकारी

सीएसए के फल विज्ञान डिपार्टमेंट एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया. प्रोग्राम के दूसरे दिन प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण व प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई. इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं फल विज्ञान डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. वीके त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को कई प्रमुख जानकारी दी. इस मौके पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहें.

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74.755g
चांदी 91.150kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 बीजेपी के लिए खतरे की घंटी! प्याज बेल्ट के किसान बजट से नाराज...

विक्की कौशल की एक्स गर्लफ्रे

वर्ष :10 अंक :176 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शनिवार 27 जुलाई 2024 पृष्ठ : 08

प्रशिक्षण के समापन पर पौधों के रखरखाव प्रबंधन विषय पर दी जानकारी

यूपी मैसेंजर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के फल विज्ञान विभाग एवं फ्लोरीकल्चर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को विभिन्न शोभाकारी पौधों के रखरखाव रोपण एवं प्रबंधन के बारे में अटल पाठशाला पर प्रतिभागियों को ले जाकर प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक व विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग प्रो. (डॉ) वी के त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को नर्सरी इंचार्ज धनीराम के साथ विभिन्न शोभाकारी पौधों को गूटी द्वारा, शकर्स द्वारा एवं लेयरिंग से पौध उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई।

विभाग के ही शिक्षक सहायक डॉ शिवानंद पांडे द्वारा विभिन्न पौधों की कटिंग एवं ग्राफ्टिंग से प्रवर्धन तकनीक की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। डॉ विमल कुमार द्वारा पौधों के रखरखाव के बारे में, डॉ. मनुज अवस्थी द्वारा गमले को सही तरीके से भरना, उसमें प्रयुक्त होने वाले मिश्रण तथा पौधों के रोपण के बारे में एवं डॉ सोमेंद्र वर्मा द्वारा पौधों में विभिन्न पोषण तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर फ्लोरीकल्चर सोसाइटी

कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती उषा झुनझुनवाला ने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा और हमारे प्रतिभागियों को बहुत ही व्यावहारिक और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संस्था की सचिव राजश्री डालमिया ने प्रयोगात्मक जानकारी की शराहना करते हुए कहा कि इससे हमारे प्रतिभागी अपने स्वयं के पौधे तैयार कर अपने घरों में रोपण कर सौंदर्य को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर पूनम भार्गव, अंजलि अग्रवाल, मनोज गुप्ता सहित 30 से अधिक प्रतिभागी एवं विभाग के शोध, परास्नातक छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।